Subject – Hindi **Lesson – 4 अक्षरों का महत्व** **class – 6th**

Worksheet

अभ्यास

कक्षा में स्मार्ट बोर्ड पर कोरडाया स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर के माध्यम से इस पाठ का अभ्यास-कार्य कराएँ।

पाठ से

मौखिक

सोचिए और बताइए–

(क) किसी देश का इतिहास कब शुरू होता है?

(ख) अक्षरों की खोज के बाद हम क्या-क्या बातें जान पाए?

(ग) लिपि से आप क्या समझते हैं?

लिखित

1. **संकेत गद्यांश को पाठ में ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

संकेत– पुराने ज़माने के लोग .... काँसे के भी औज़ार बनाए। (पृष्ठ-26)

(क) हमारी यह धरती कितने वर्ष पुरानी है?

(ख) करोड़ों साल तक धरती पर केवल किसका राज्य रहा?

(ग) औज़ारों के विकास का कार्य किस प्रकार शुरू हुआ?

2. **अति लघु उत्तर लिखिए–**

(क) किसके बिना दुनिया की कल्पना करना असंभव है?

(ख) अक्षरों की खोज को लेकर पुराने लोगों को क्या गलतफ़हमी थी?

(ग) अक्षरों की खोज किसने की?

(घ) मानव सभ्य कब बना?

3. **लघु उत्तर लिखिए–**

(क) आज से करोड़ों वर्ष पहले पृथ्वी कैसी थी?

(ख) प्रागैतिहासिक काल किसे कहते हैं?

(ग) किस प्रकार एक पीढ़ी का ज्ञान दूसरी पीढ़ी के काम आने लगा?

4. **दीर्घ उत्तर लिखिए–**

(क) प्रागैतिहासिक काल में मानव किस तरह अपने भावों को व्यक्त करते थे?

(ख) अक्षरों की खोज के पश्चात मानव के जीवन में क्या-क्या बदलाव आए?

पाठ से आगे

अनुमान और कल्पना

(क) हज़ारों वर्ष पहले लोगों का खान-पान व पहनावा कैसा होगा?

(ख) यदि आपका जन्म हज़ारों साल पहले हुआ होता तो आप अपने विचारों का आदान-प्रदान कैसे करते?

(क) हमारे पास अक्षर न होते? (ख) भाषा न होती?

भाषा ज्ञान — कारक, कारक के भेद, माप-तौल वाले शब्द

1. **'ने', 'को', 'में', 'पर'** आदि कारक-चिह्न होते हैं। इनका प्रयोग वाक्यों में शब्दों का क्रिया से संबंध जोड़ने के लिए किया जाता है।

अब आप दिए गए अनुच्छेद में कारक-चिह्नों पर (गोला) लगाइए–

प्रागैतिहासिक मानव ने सबसे पहले चित्रों के ज़रिए अपने भाव व्यक्त किए; जैसे– पशुओं, पक्षियों, आदमियों के चित्र। इन चित्र-संकेतों से बाद में भाव-संकेत अस्तित्व में आए; जैसे– एक छोटे वृत्त के चारों ओर किरणों की द्योतक रेखाएँ खींचने पर वह 'सूर्य' का चित्र बन जाता था। बाद में यही चित्र 'ताप' या 'धूप' का द्योतक बन गया।

2. **कारक के आठ भेद होते हैं– कर्ता** (ने), **कर्म** (को), **करण** (से- के द्वारा), **संप्रदान** (के लिए, को), **अपादान** (से- अलग होने पर), **संबंध** (का, की, के), **अधिकरण** (में, पर) और **संबोधन** (हे!, अरे! आदि)। ध्यान देने योग्य है कि अपादान (से) का प्रयोग अलग होने के लिए होता है तथा करण (से) का प्रयोग 'द्वारा' के लिए होता है।

दिए गए वाक्यों में रेखांकित चिह्न में कारक का कौन-सा भेद है? ✓ निशान लगाकर बताइए–

(क) हम अक्षरों **को** अनादि काल से जानते हैं।

अधिकरण कारक ☐ कर्ता कारक ☐ कर्म कारक ☐

(ख) अक्षरों **का** ज्ञान हमें किसी ईश्वर से मिला है।

करण कारक ☐ संबंध कारक ☐ अपादान कारक ☐

(ग) मनुष्य **ने** गाँवों को बसाना शुरू किया।

अधिकरण कारक ☐ कर्ता कारक ☐ संप्रदान कारक ☐

(घ) चित्र-संकेतों **से** भाव-संकेत अस्तित्व में आए।

अपादान कारक ☐ कर्म कारक ☐ करण कारक ☐

(ङ) दुनिया **में** अब तक करोड़ों पुस्तकें छप चुकी हैं।

संप्रदान कारक ☐ कर्ता कारक ☐ अधिकरण कारक ☐

3. यदि किसी चीज़ को गिना न जा सके तो उसके साथ संख्या वाले शब्दों के अलावा माप-तौल आदि के शब्दों का प्रयोग भी किया जाता है; जैसे– चार **गिलास** दूध।

अब आप बॉक्स में से सही शब्द छाँटकर खाली जगह भरिए–

(क) चार ..... कागज़ (ख) दो ..... पानी

(ग) छह ..... कपड़ा (घ) एक ..... नमक

(ङ) चार ..... शक्कर (च) बारह ..... ज़मीन

चम्मच बंडल किलो बूँद मीटर गज़

Answer key

(ख) अक्षरों की खोज के बाद हम जान पाए कि पिछले हज़ारों साल से आदमी कैसे रहता था, क्या सोचता था, क्या करता था, क्या खाता था आदि।

(ग) किसी भी भाषा को लिखने के लिए कुछ चिह्न निश्चित किए गए हैं वही चिह्न लिपि कहलाते हैं।

लिखित

1. संकेत गद्यांश को पाठ में ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) यह धरती लगभग पाँच अरब साल पुरानी है।

(ख) करोड़ों साल तक धरती पर केवल जानवरों और वनस्पतियों का ही राज्य रहा।

(ग) लगभग दस हज़ार साल पहले आदमी ने गाँवों को बसाना शुरू किया। वह खेती और पत्थरों के बने औज़ारों का इस्तेमाल करने लगे। फिर-उसने ताँबे और काँसे के भी औज़ार बनाए।

2. अति लघु उत्तर लिखिए–

(क) अक्षरों के बिना दुनिया की कल्पना करना असंभव है।

(ख) अक्षरों की खोज आदमी ने की है।

(ग) जब से मानव अपने विचार और हिसाब-किताब को लिखकर रखने लगा तब से वह 'सभ्य' कहा जाने लगा।

(घ) अक्षरों को लेकर पुराने लोगों को यह गलतफ़हमी थी कि अक्षरों की खोज ईश्वर ने की है।

3. लघु उत्तर लिखिए–

(क) हमारी धरती लगभग पाँच अरब साल पुरानी है। दो-तीन अरब साल तक इस धरती पर किसी प्रकार के जीव-जंतु नहीं थे। उसके बाद करोड़ों साल तक केवल जानवरों और वनस्पतियों का ही इस धरती पर राज्य रहा।

(ख) मनुष्य ने जब से लिखना शुरू किया तब से 'इतिहास' आरंभ हुआ। इतिहास से पहले के समय (काल) को प्रागैतिहासिक काल यानी इतिहास के पहले का काल कहते हैं।

(ग) अक्षरों की खोज के पश्चात जब आदमी अपने विचार लिखकर रखने लगा तो एक पीढ़ी के ज्ञान का इस्तेमाल दूसरी पीढ़ी करने लगी।

4. दीर्घ उत्तर लिखिए–

(क) प्रागैतिहासिक काल में मानव ने सबसे पहले चित्रों के जरिए अपने भाव व्यक्त किए थे; जैसे- पशुओं, पक्षियों, आदमियों के चित्र। इन चित्र-संकेतों से बाद में भाव संकेत अस्तित्व में आए; जैसे-एक छोटे वृत्त के चारों ओर किरणों को दर्शाने के लिए रेखाएँ खींचने पर 'सूर्य' का चित्र बनना। बाद में यही चित्र 'ताप' या 'धूप' का द्योतक-बन गया। इस प्रकार अनेक भाव संकेतों द्वारा मानव अपने भाव व्यक्त करते थे।

(ख) अक्षरों की खोज के साथ एक नए युग की शुरुआत हुई। अक्षरों की खोज के बाद आदमी अपने विचार और अपने हिसाब-किताब को लिखकर रखने लगा। तब से मानव को 'सभ्य' कहा जाने लगा। मानव ने जब से लिखना शुरू किया तब से इतिहास आरंभ हुआ। एक पीढ़ी के ज्ञान का इस्तेमाल दूसरी पीढ़ी करने लगी। संस्कारों व परंपराओं का हस्तांनातरण एक से दूसरी पीढ़ी में होने लगा।

❑ **पाठ से आगे** (पाठ से आगे के प्रश्नों को अध्यापक/अध्यापिका इच्छानुसार लिखित या मौखिक रूप में करा सकते हैं।)

अनुमान और कल्पना

(क) हजारों वर्ष पहले लोग जंगलों में रहते थे। फल-फूल तथा जंगली जानवरों का मांस खाते थे तथा गुफ़ाओं में जीवन-यापन करते थे। जानवरों की खाल व पेड़ों की छाल तथा पत्तियों का प्रयोग वस्त्रों के रूप में करते थे।

(ख) यदि हमारा जन्म हजारों साल पहले होता तो हम भी अपने भावों को चित्रों व प्रतीकों के माध्यम से स्पष्ट करते।

क्या होता अगर

बच्चों को विषयानुसार चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे; जैसे–

(क) अगर हमारे पास अक्षर न होते तो हमें हमारे इतिहास के बारे में जानकारी नहीं मिलती, हमें हमारी परंपराओं का ज्ञान नहीं होता तथा हम लिख-पढ़ नहीं पाते आदि।

(ख) भाषा के अभाव में संकेतों के माध्यम से विचारों का आदान-प्रदान होता जो एक अति कठिन कार्य था। विश्व एकीकरण व सामाजिक विकास जैसे शब्द ही न होते और हम वैसे ही असभ्य रहते जैसे हज़ारों साल पहले थे।

o

❑ भाषा ज्ञान

1. प्रागैतिहासिक मानव (ने) सबसे पहले चित्रों (के) ज़रिए अपने भाव व्यक्त किए; जैसे– पशुओं, पक्षियों, आदमियों (के) चित्र। इन चित्र-संकेतों (से) बाद (में) भाव-संकेत अस्तित्व (में) आए; जैसे– एक छोटे वृत्त (के) चारों ओर किरणों (की) द्योतक रेखाएँ खींचने (पर) वह 'सूर्य' (का) चित्र बन जाता था। बाद (में) यही चित्र 'ताप' या 'धूप' (का) द्योतक बन गया।

2. (क) कर्म कारक (ख) संबंधकारक (ग) कर्ता कारक
   (घ) करण कारक (ङ) अधिकरण कारक

3. (क) बंडल (ख) बूँद (ग) मीटर
   (घ) चम्मच (ङ) किलोग्राम (च) बीघा

o